

विशेष रिपोर्ट मार्च 2022

काँटन, कैस्टर एवं ग्वारसीड



अहम कारक

- मौजूदा कीमत पर धागा मिलों की ओर से कपास की मांग
- ऑस्ट्रेलिया और ब्राजील में कपास उत्पादन का अनुमान
- भौतिक बाजार में कपास की आवक
- सीसीआई द्वारा उत्पादन अनुमान
- अमेरिकी कपास की निर्यात मांग
- देश से कपास और सूत का निर्यात



Source: Reuters & SMC Research

- एमसीएक्स पर 2022 में काँटन की कीमतों में लगभग 10% की वृद्धि हुई है और मुख्य रूप से अधिक औद्योगिक मांग और नए सीजन में कपास की फसल से कम आपूर्ति कीमतें वर्ष-दर-वर्ष 70% से अधिक बढ़ गई है। धीमी आवक, बेहतर घरेलू और निर्यात मांग से मौजूदा सीजन में कपास की कीमतों को समर्थन मिल रहा है।
- एमसीएक्स पर मार्च डिलीवरी कॉन्ट्रैक्ट की कीमतें फिलहाल 38360 प्रति बेल (1 बेल = 170 किलोग्राम) के नजदीक कारोबार कर रही हैं, जो अब तक के सबसे ऊंचे स्तर 38630 के करीब है। फरवरी 2022 में, एमसीएक्स पर काँटन की कीमतों में कुछ तकनीकी गिरावट और उच्च कीमतों पर कम मांग के कारण गिरावट हुई है, लेकिन मार्च 2022 में यह लगभग 6% उछल गई, क्योंकि यूएसडीए और सीएआई दोनों ने अपनी नवीनतम उत्पादन अनुमान के आंकड़ों में कमी की है।
- वैश्विक स्तर पर, कपास की कीमतों में पिछले एक महीने के दौरान लगभग 3% की गिरावट आई है, लेकिन कीमतें अभी भी वर्ष-दर-वर्ष 40% अधिक हैं। इस समय इंटरकॉन्टिनेंटल एक्सचेंज, न्यूयॉर्क में मई डिलीवरी के लिए काँटन वायदा 121 अमेरिकी सेंट प्रति पाउंड के नजदीक कारोबार कर रहा है।
- सीएआई ने 2021-22 सीजन के लिए कपास का उत्पादन अनुमान को 348.13 लाख बेल के अपने पिछले अनुमान से 5.00 लाख बेल घटाकर 343.13 लाख बेल कर दिया है।
- 2021/22 में वैश्विक कपास उत्पादन 119.9 मिलियन बेल रहने का अनुमान है, जो पिछले महीने के अनुमान से थोड़ा कम है, लेकिन पिछले सीजन से 8.1 मिलियन बेल (7 प्रतिशत) अधिक है। 2021/22 में वैश्विक स्तर पर कुल उत्पादन क्षेत्र 32.3 मिलियन हेक्टेयर (79.9 मिलियन एकड़) रहने का अनुमान है जो 2020/21 की तुलना में 1.2 मिलियन हेक्टेयर अधिक है। 2021/22 में विश्व स्तर पर कपास की पैदावार 3 साल के औसत 774 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की तुलना में रिकॉर्ड 808 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर (721 पाउंड प्रति एकड़) होने का अनुमान है।
- भारत में, 2021/22 में कपास उत्पादन 26.5 मिलियन बेल, 2020/21 से नीचे 4% (1.1 मिलियन बेल) होने का अनुमान है।

आउटलुक

वर्तमान में, एमसीएक्स में काँटन की कीमत फिर से 38630 के अपने अब तक के उच्च कीमतों की ओर बढ़ रही है। अधिक कीमतों पर मिलों की ओर से सामान्य मांग के कारण भौतिक बाजारों में कपास की कीमतें स्थिर रहीं। वैश्विक आवक स्थिर रही क्योंकि किसान अपनी उपज को अधिक कीमत पर बेचना चाहते हैं और कीमतों में गिरावट ने भौतिक बाजार में आवक को प्रभावित किया है। तकनीकी रूप से काँटन की कीमतों को 36120 के स्तर पर अच्छा सपोर्ट है और रेजिस्टेंस अब तक के उच्च स्तर पर है। अब तक के उच्चतम स्तर को तोड़ने से कीमतें 40,000 के स्तर तक बढ़ सकती हैं। इसके अलावा, कपास का अंतिम स्टॉक पिछले साल की तुलना में कम होगा, जबकि देश भर में कोरोना के मामलों में हालिया कमी को देखते हुए घरेलू कपास की खपत अधिक होने की उम्मीद है।

काँटन का टेक्निकल स्तर

काँट्रैक्ट	स्टॉपलॉस 1	स्टॉपलॉस 2	मध्य	रेजिस्टेंस 1	रेजिस्टेंस 1
मार्च	34,577	36,133	37,267	38,823	39,957
अप्रैल	34,840	36,480	37,760	9,400	40,680

एमसीएक्स में काँटन वायदा की कीमतों में मासिक बदलाव (%)



काँटन वायदा (एमसीएक्स) का मौसमी चार्ट



अरंडी बीज (कैस्टर सीड)

अहम कारक

- चीन से अरंडी के तेल की निर्यात मांग
- भौतिक बाजार में अरंडी के बीज की आवक
- अरंडी के तेल और अरंडी मील का निर्यात
- किसान और तेल मिल मालिकों के पास स्टॉक



Source: Reuters & SMC Research

- अरंडी वायदा की कीमतें दो महीने तक गिरावट के बाद जनवरी 2022 में उच्च स्तर पर बंद हुईं। मुख्य रूप से लगातार दूसरे वर्ष कम उत्पादन की रिपोर्ट के कारण कीमतों में फिर से वृद्धि हुई है और इसके उत्पादों- तेल और मील की लगातार मांग हुई है। गुजरात में पहले तीन महीनों के दौरान कम बारिश के कारण इस सीजन में उत्पादन में कमी की आशंका है।
- एसईए (सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया) ग्लोबल कैस्टर कॉन्फ्रेंस 2022 में 2021-22 सीजन के दौरान भारत का अरंडी उत्पादन 17.95 लाख टन होने का अनुमान लगाया गया है, जो 2020-21 में 17.89 लाख टन था।
- एसईए के अनुसार, गुजरात अनुमानित उत्पादन में 15.47 लाख, राजस्थान 2.03 लाख और आंध्र प्रदेश और तेलंगाना 35,000 टन का योगदान कर सकता है। 2021-22 में अखिल भारतीय अरंडी की पैदावार 2,228 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर होने का अनुमान है, जो एक साल पहले 2,166 किलोग्राम थी। इसमें से गुजरात की उपज 2,371.3 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर (2,342 किलोग्राम) और राजस्थान की उपज 1,690.2 किलोग्राम (1,780 किलोग्राम) अनुमानित है।
- सर्वेक्षण में 2021-22 के दौरान देश में अरंडी का रकबा 8.11 लाख हेक्टेयर होने का अनुमान है, जो 2020-21 में 8.26 लाख हेक्टेयर था। इसमें से गुजरात में अरंडी का रकबा 6.52 लाख हेक्टेयर (बनाम 6.38 लाख हेक्टेयर) और राजस्थान में 1.20 लाख हेक्टेयर (बनाम 1.25 लाख हेक्टेयर) है।
- कैलेंडर वर्ष 2021 में, भारत का अरंडी के तेल का निर्यात 4.11% बढ़कर 6.85 लाख टन हो गया, जबकि वित्त वर्ष 2021/22 के पहले 10 महीने (अप्रैल-जनवरी) में निर्यात पिछले वर्ष के निर्यात 5.60 लाख टन के बराबर रहा है। कीमत के हिसाब से वित्त वर्ष 2021-22 में अरंडी के तेल की निर्यात में 30% से अधिक की वृद्धि हुई। भारत ने वित्त वर्ष 2021/22 (अप्रैल-जनवरी) के दौरान 112 देशों को अरंडी के तेल का निर्यात किया और अरंडी के तेल के लिए शीर्ष तीन निर्यात गंतव्य चीन (3.17 लाख टन), नीदरलैंड (93500 टन) और यूएसए (78000 टन) थे।
- 2021/22 में, उच्च निर्यात कीमतों के कारण भारत का अरंडीमिल का निर्यात वर्ष-दर-वर्ष 48.28% घटकर 3.37 लाख टन रह गया। चालू वित्त वर्ष के दौरान अरंडी भोजन का औसत मूल्य पिछले वर्ष के 67 डॉलर प्रति टन की तुलना में 114 डॉलर /टन से अधिक है।

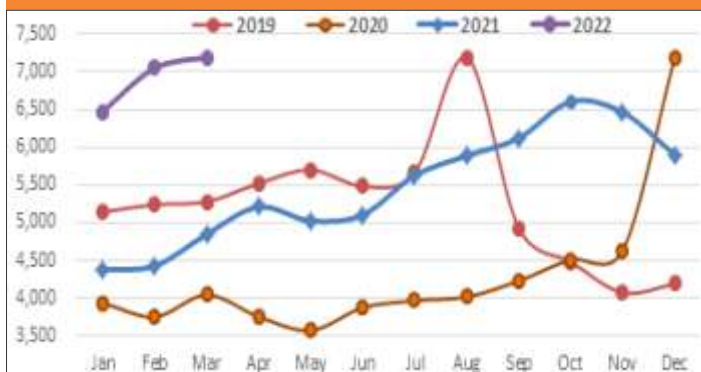
आउटलुक

वर्तमान में एनसीडीईएक्स पर अरंडी की कीमतें पिछले साल की कीमतों की तुलना में 55% से अधिक हैं। मौजूदा सीजन में फसल कम होने की उम्मीद है। नए सीजन की फसल हाजिर बाजार में आने लगी लेकिन मिल मालिकों की ओर से अच्छी मांग से कीमतों को समर्थन मिल रहा है। अधिकतम आवक अप्रैल और मई में होगी, जिससे कीमतों पर दबाव पड़ सकता है। लेकिन अप्रैल और मई के दौरान अरंडी के तेल की अधिक निर्यात मांग से अधिकतम आवक सीजन के दौरान कीमतों को समर्थन मिल सकता है। अरंडी (अप्रैल) की कीमतें के 7400 के स्तर को तोड़ने और इसके ऊपर बने रहने पर 7700 के स्तर तक कारोबार करने की उम्मीद है। 7040/7060 के स्तर पर तत्काल सपोर्ट मिल रहा है।

अरंडीसीड का टेक्निकल स्तर

कॉन्ट्रैक्ट	स्टॉपलॉस 1	स्टॉपलॉस 2	मध्य	रेजिस्टेंस 1	रेजिस्टेंस 1
मार्च	5,940	6,620	7,040	7,720	8,140
अप्रैल	7,320	7,360	7,380	7,425	7,450

कैस्टरसीड वायदा की कीमतों में मासिक बदलाव (%)



कैस्टरसीड वायदा का मौसमी चार्ट



ग्वार कॉम्प्लेक्स

अहम कारक

- किसानों और मिलों के पास स्टॉक
- भौतिक बाजार में ग्वारसीड की आवक
- ग्वारगम की निर्यात मांग
- अमेरिका में कार्यरत तेल रिग
- चारा और खाद्य उद्योग के लिए ग्वार डेरिवेटिव की मांग



Source: Reuters & SMC Research

- फरवरी 2022 के महीने में ग्वारसीड वायदा की कीमतों में गिरावट हुई है जबकि कच्चे तेल की अधिक कीमतों और देश से ग्वारगम के निर्यात में बढ़ोतरी की खबरों के कारण मार्च 2022 में कीमतों में रिकवरी हुई है। फरवरी में, कीमतों में लगभग 7.5% से अधिक की गिरावट हुई, लेकिन अब मार्च में लगभग 5% की रिकवरी हुई।
- वर्तमान में कीमतें पिछले वर्ष की कीमतों की तुलना में लगभग 65% अधिक हैं क्योंकि किसानों के पास स्टॉक का स्तर कम है। किसानों ने अधिक कीमतों के कारण सीजन की शुरुआत के दौरान अपनी अधिकांश उपज बेच दी है।
- देश भर में ग्वारसीड की आवक फरवरी में लगभग 16000-18000 बोरी की तुलना में मार्च में लगभग 12000 बैग थी। नवंबर-दिसंबर 2021 में नए सीजन में ग्वार की आवक शुरू होने के बाद से किसानों के पास स्टॉक में लगातार गिरावट आई है।
- कृषि विभाग के आंकड़ों के अनुसार, राजस्थान में ग्वारसीड का रकबा 5 साल में सबसे कम था क्योंकि किसानों ने ग्वार की तुलना में तिलहन, कपास या दालों को प्राथमिकता दी है। राजस्थान में ग्वारसीड का रकबा केवल 21-22 लाख हेक्टेयर था, जबकि 5 साल का औसत 30 लाख हेक्टेयर है।
- एपीडा के मुताबिक वित्त वर्ष 2021/22 के पहले 10 महीने में देश ने 2.64 लाख टन ग्वार गम का निर्यात किया, जबकि पिछले साल 1.90 लाख टन निर्यात किया था। जनवरी 2022 के दौरान ग्वारगम का निर्यात वर्ष-दर-वर्ष 5% बढ़कर 22,300 टन हो गया, जो पिछले साल 21,250 टन था। इसके अलावा, वर्ष 2021 के दौरान ग्वारगम का निर्यात पिछले वर्ष के 2.41 लाख टन के निर्यात की तुलना में 27% से अधिक बढ़कर 3.07 लाख टन हो गया।

आउटलुक

ग्वारसीड की कीमतें पिछले साल की कीमतों की तुलना में 65% अधिक हैं। 1 महीने से अधिक समय तक स्थिर रहने के बाद ग्वारगम निर्यात में बढ़ोतरी और हाजिर बाजार में आवक में गिरावट के कारण ग्वारसीड की कीमतों में तेजी आने लगी। कच्चे तेल की ऊंची कीमतों के कारण अमेरिका रिगों की संख्या पिछले साल के 402 से 261 रिग बढ़कर 663 हो गई है। हम उम्मीद करते हैं कि ग्वारसीड (अप्रैल) की कीमतें यदि 6000 से नीचे टूटती है तो 5760 तक नीचे कारोबार कर सकती हैं।

ग्वारसीड का टेक्निकल स्तर

कॉन्ट्रैक्ट	स्टॉपलॉस 1	स्टॉपलॉस 2	मध्य	रेजिस्टेंस 1	रेजिस्टेंस 1
मार्च	5,350	5,750	6,120	6,520	6,890
अप्रैल	5,585	5,900	6,220	6,540	6,855

ग्वारसीड वायदा की कीमतों में मासिक बदलाव (%)



ग्वारसीड वायदा का मौसमी चार्ट



आप इस रिपोर्ट को हमारी वेबसाइट पर भी देख सकते हैं- www.smctradeonline.com



Corporate Office:
11/6B, Shanti Chamber,
Pusa Road, New Delhi - 110005
Tel: +91-11-30111000
www.smcindiaonline.com

Mumbai Office:
Lotus Corporate Park, A Wing 401 / 402, 4th Floor,
Graham Firth Steel Compound, Off Western
Express Highway, Jay Coach Signal, Goreagon
(East) Mumbai - 400063
Tel: 91-22-67341600, Fax: 91-22-67341697

Kolkata Office:
18, Rabindra Sarani, Poddar Court, Gate No-4,
5th Floor, Kolkata-700001
Tel.: 033 6612 7000/033 4058 7000
Fax: 033 6612 7004/033 4058 7004

एसएमसी ग्लोबल सिन्डिकेटिड लिमिटेड (जिसे एसएमसी कहा जाता है) का नियमन भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड द्वारा किया जाता है और इसे ब्रोकिंग व्यवसाय, डिपॉजिटरी सेवाएँ और संबंधित सेवाएँ करने का लाइसेंस प्राप्त है। एसएमसी ग्लोबल सिन्डिकेटिड लिमिटेड नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड, बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड, एमएसईआई (मेट्रोपोलिटन स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड) का रजिस्टर्ड सदस्य है और एम/एस एसएमसी कॉमिट्टी नेशनल कमोडिटी एवं डेरिवेटिव्स एक्सचेंज लिमिटेड और मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज ऑफ इंडिया और भारत के अन्य कमोडिटी एक्सचेंजों का रजिस्टर्ड सदस्य है। इसकी सहयोगी एमसीएस स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड की सदस्य है। एसएमसी सीडीएसएल (CDSL) और एनएसडीएल (NSDL) के साथ डिपॉजिटरी भागीदार के रूप में भी रजिस्टर्ड है। एसएमसी के अन्य एसोसिएट सेबी और भारतीय रिजर्व बैंक के साथ मंचेंट बैंकर, पोर्टफोलियो मैनेजर के रूप में रजिस्टर्ड है। यह म्यूचुअल फंड डिस्ट्रीब्यूटर के रूप में एएमएफआई (AMFI) में भी रजिस्टर्ड है।

एसएमसी ग्लोबल सिन्डिकेटिड लिमिटेड सेबी (रिस्चर्च एनॉलिसिस) रेगुलेशन 2014 के तहत रिस्चर्च एनॉलिसिस के लिए रजिस्ट्रेशन संख्या INH100001849 के साथ रजिस्टर्ड संस्था है। एसएमसी ग्लोबल सिन्डिकेटिड लिमिटेड या इसके सहयोगियों को सेबी द्वारा अन्य किसी रेगुलेटरी एंथॉरिटी द्वारा सिन्डिकेटिड मार्केट/कमोडिटी मार्केट में कारोबार के लिए प्रतिबंधित/निर्वासित नहीं किया गया है। रिपोर्ट में रिस्चर्च एनॉलिसिस द्वारा व्यक्त की गई राय केवल सार्वजनिक रूप से प्राप्त सूचनाओं/इंटरनेट आंकड़ों/अन्य विश्वसनीय स्रोतों, जिन्हें सत्य माना जाता है, पर आधारित है। एसएमसी रिपोर्ट में व्यक्त राय या सामग्री की शुद्धता को लेकर कोई आश्वासन नहीं देता है और निवेशकों को सलाह दी जाती है कि निवेश के लिए कोई भी निर्णय करने से पहले बाजार की परिस्थितियों/जोखिमों का स्वतंत्र रूप से मूल्यांकन करें। रिस्चर्च एनॉलिसिस, जिन्होंने इस रिपोर्ट को तैयार किया है, एल्टू द्वारा प्रमाणित किया जाता है कि इस रिपोर्ट में विशेष कमोडिटी के संदर्भ में व्यक्त किया गया विचार/राय उनके निजी स्वतंत्र विचार/राय हैं।

दिसक्लेमर: यह रिस्चर्च रिपोर्ट अधिकृत प्राप्तकर्ता को व्यक्तिगत सूचना के लिए है और इसका निवेशक के किसी निवेश, विधिक एवं कर संबंधी परामर्श से संबंध नहीं है। यह केवल प्राइवेट सन्कुलेशन एवं उपयोग के लिए है। यह रिपोर्ट विरुद्ध सूचनाओं पर आधारित है लेकिन यह पूरी तरह सही और पूर्ण है, ऐसा जरूरी नहीं और इस पर पूरी तरह भरोसा नहीं किया जाना चाहिए। रिपोर्ट के कन्टेन्ट के आधार पर कोई कार्य नहीं किया जा सकता है। इस रिपोर्ट को एसएमसी से लिखित आज्ञा के बिना किसी भी रूप में नकल एवं किसी भी अन्य व्यक्ति को पुनः वितरण नहीं किया जाना चाहिए। इस सामग्री का कन्टेन्ट सामान्य है और यह न तो पूरी तरह से व्यापक है और न विस्तृत है। इस रिपोर्ट के आधार पर उदाये गये किसी कदम से होने वाली क्षति या नुकसान के लिए न तो एसएमसी और न इसका कोई संबंधी, सहायक, प्रतिनिधि, डॉपरेक्टर या कर्मचारी को उत्तरदायी ठहराया जाना चाहिए। यह कोई व्यक्तिगत अनुमोदन नहीं करता या किसी खास निवेश उद्देश्य, वित्तीय स्थिति या किसी व्यक्तिगत ग्राहक या कॉर्पोरेट या सलाह की जरूरतों को लेकर नहीं चलता है। सभी निवेश जोखिमपूर्ण होते हैं एवं पिछला प्रदर्शन भविष्य के किसी प्रदर्शन की गारंटी नहीं देता है। निवेश की वैल्यू और उससे प्राप्त आमदनी एक निश्चित समय में उपलब्ध कुछ बड़े एवं सूक्ष्म कारकों के बदलाव पर निर्भर कर सकती है। निवेश का निर्णय लेते समय किसी भी व्यक्ति को अपने धिक्के का इस्तेमाल करना चाहिए।

कृपया ध्यान रखें कि हम या हमारा कोई अधिकारी, सहायक, प्रतिनिधि, डॉपरेक्टर या कर्मचारी, जो भी इस रिपोर्ट को बनाने या भेजने में शामिल है उसकी (अ)समय-समय पर किसी भी कमोडिटीज में, जिनका इस रिपोर्ट में जिक्र किया गया है, खरीद या बिक्री, कोई भी पोजिशन हो सकती है और वह इस कमोडिटीज को खरीद या बिक्री कर सकता है या (ब) साथ ही साथ वह इन कमोडिटीज के किसी भी प्रकार के सौदों में और ब्रोकरेज या अन्य प्रकार के प्रतिकार में अथवा बाजार निर्माण में शामिल हो सकता है, (स) इस रिपोर्ट में दिए गये सुझावों और संबंधित सूचनाओं एवं विचारों के संदर्भ में इनका अपना कोई भी निहित स्वार्थ या विचार हो सकता है। सभी विचारों का निपटारा अंतिम रूप से दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीन होगा।